लामा से विचार-विमर्श करने के लिये सहमत हो गया है और दोनों ही देशों द्वारा व्यक्त किये गये विचारों से आभास होता है कि उनके विचारों में बहुत कम अन्तर रहा गया है

(ख) क्या सरकार ने दोनों देशों को संधि वार्ता करवाने के लिये कोई पहल की है; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री के० नटवर सिंह) : (क) सरकार ने दलाई लामा और चीन की सरकार के प्रतिनिधियों के बीच संपर्क के संबंध में खबरें देखी हैं ।

(ख) इन मामलों का संबंध एक ओर चीन की सरकार और दूसरी ओर दलाई लामा और तिब्बत के समुदाय के बीच संबंधों से है ।

(ग) प्रश्न नहीं उठता ।

कुतुब मीनार की दीवारों से प्राप्त मूर्तियां

3424. **श्री राम जेठमलानी** :
श्री राम नरेश यादव :

क्या **मानव संसाधन विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली स्थित कुतुब मीनार की दीवारों से कुछ मूर्तियां प्राप्त हुई हैं;

(ख) यदि हां, तो इन मूर्तियों की संख्या कितनी हैं और इनके किस काल से संबंधित होने का अनुमान लगाया गया है,

(ग) क्या यह भी सच है कि इससे पूर्व भी मूर्तियां इसी स्थान से उपलब्ध हुई थी, और

(घ) यदि हां, तो उनकी संख्या और उसके बारे में विस्तृत विवरण क्या है ?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में शिक्षा और संस्कृति विभागों में राज्य मंत्री (श्री एल०पी० शाही) : (क) और (ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान मूर्ति सहित सोलह क्षतिग्रस्त तक्षित पैनल और ब्रैकेट मिले हैं । ये 9वीं-12वीं शताब्दी ईसवी सन् के लगते हैं ।

(ग) और (घ) पहले मूर्तियों के सैंतीस टुकड़े मिले थे जिनमें से अधिकांश विकृत थे । उनका विवरण देने वाली एक सूची संलग्न है । (नीचे देखिये)

विवरण

(1) एक स्तम्भ का भाग जिसके चारों तरफ़ जैन तीर्थंकर हैं ।

(2) शेर पर विराजमान देवी (दुर्गा अथवा अम्बिका) का नीचे का टूटा हुआ भाग ।

(3) स्त्री की मूर्ति

(4–7) टूटी-फ़ूटी मूर्तियां

(8) गणेश की टूटी हुई मूर्ति

(9–13) तक्षित पैनल

(14) तक्षित दरवाजें का पाखा

(15) जैन तीर्थंकरों और देवियों की शृंखला दिखाने वाला सरदल ।

(16–17) स्त्रियों की मूर्तियों वाले दरवाजे के पांखे

(18) एक तरफ़ चार हाथों वाला विकृत देव और इसके पृष्ठ भाग में अरबी शिलालेख ।

(19–34) तक्षित पैनल (विकृत और क्षतिग्रस्त)

(35–36) पैनल (विकृत)

(37) विकृत सरदल

कलकत्ता में मेट्रो रेल परियोजना

3425. **श्री राम जेठमलानी** :
सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :

क्या **रेल** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) कलकत्ता में मैट्रो रेल परियोजना को कब मंजूरी दी गई थी;

(ख) इस परियोजना के अन्तर्गत कितनी दूरी को शामिल करने के निर्णय लिया गया था,

(ग) इस परियोजना को पूरा करने की लक्ष्य तिथि क्या थी और इस पर कुल कितनी धनराशि व्यय किए जाने का अनुमान था, और

(घ) क्या यह सच है कि यह परियोजना निर्धारित समय और इसके लिए आबंटित धनराशि में पूरी नहीं की जा सकी थी, यदि हां तो इस परियोजना के पूरा करने के लिए कितना अतिरिक्त समय और धनराशि दिए जाने की सम्भावना है ?

रेल मंत्रालय में उप मंत्री (श्री महावीर प्रसाद): (क) वर्ष 1972 में।

(ख) 16.43 कि० मी०।

(ग) प्रारम्भ में परियोजना की लागत का अनुमान 140.30 करोड़ रुपये लगाया गया था तथा यह प्रत्याशा की गयी थी कि इसके पूरा होने में लगभग 6 वर्ष लगेंगे।

(घ) जी हां। प० बंगाल राज्य सरकार द्वारा परियोजना के निर्माणार्थ अपेक्षित भूमि के शेष भूखंडों को उपलब्ध कर। दिये जाने के पश्चात परियोजना के पूरा होने की सम्भावित अवधि 33 माह है। परियोजना की मौजूदा स्वीकृत लागत 863.37 करोड़ रुपये है।

Role of Transchart in finalising the terms of purchase of edible oils

3426. SHRI MOHD. KHALEELUR RAHMAN:

SHRI M. KADHARSHA;

Will the Minister of SURFACE TRANSPORT be pleased to state-

(a) what is the role of Transchart in finalising the terms of purchases of the essential edible oils on F.O.B. basis;

(b) what is the number of Indian ships engaged for carrying edible oils;

(c) what is the number of times terms of F.O.B. purchases discussed by STC with Transchart and the sup pliers and the results thereof;

(d) what are the reasons for not making available adequate cargo space in time for carrying edible oils on F.O.B, basis; and

(e) what is the available number of Indian ships carrying edible oils and d_0 they compare favourably to that of non-India$_n$ ships?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT (SHRI RAJESH PILOT); (a) There have been no im- -ports of edible oils from 1979-80 on FOB basis and as such Transchart has had no role in finalising the terms of purchases since then.

(b) There are a number of tankers in Indian fleet suitable for carriage of edible oils. Since the imports are on C.I.F. basis the suppliers from Malaysia have been at times chartering these ships from the Indian shipowners. According to the available information, during the last three years (1986, 1987 and 1988) sixty such voyages have been performed by tankers belonging to Indian Shipping Companies.

(c) There has been regular corres-pondence and discussions between Transchart and STC and concerned Departments in regard to purchase on F.O.B. basis. Thereafter STC held discussions with the suppliers and informed the Ministry of Surface Transport in December, 1988 that they were intimating supplies that thereafter all imports of Neutralised Palm Oil and Refined Bleached De-odorised Palm Oil from Malaysia would be on basis of F.O.B. only.

(d) A_s there are no purchases on F.O.B. bans the question of making available cargo space by Transchart does not arise.

(e) There are ten Indian tankers which are of the size normally engag-